RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 02 अगस्त 2022 वर्ष 04 अंक 93 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

ईडी को मिली शिवसेना सांसद संजय राउत की हिरासत

अदालत ने मंजूर की 4 अगस्त तक की कस्टडी

प्रवर्तन निदेशालय ने शिवसेना नेता संजय राउत को गिरफ्तार किए जाने के बाद आज अदालत में पेश किया और केस में आगे की पूछताछ के लिए हिरासत की मांग की. अदालत ने एजेंसी की हिरासत की मांग को स्वीकार कर लिया है और शिवसेना नेता 3 दिन के लिए ईडी की कस्टडी में भेज दिया है. बता दें कि मुंबई के एक उत्तरी उपनगर में एक चॉल परियोजना के पुनर्विकास से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने उन्हें हिरासत में लिया है.

बहस के दौरान ईडी के वकील ने राउत पर लगाए ये आरोप

बहस के दौरान ईडी के वकील ने तर्क दिया कि गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व निदेशक प्रवीण राउत ने एक पैसा भी निवेश नहीं किया, फिर भी उन्हें 112 करोड़ रुपये मिले. जांच से पता चलता है कि संजय और वर्षा राउत के खाते में 1.6 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए थे. राउत और परिवार 1.6 करोड़ रुपये के लाभार्थी थे. ईडी के वकील हितेन वेनेगांवकर ने अदालत को बताया कि जांच से पता चला है कि उस पैसे (1.6 करोड़ रुपये) में से अलीबाग के किहिम बीच पर एक भूखंड खरीदा गया था. एक प्लॉट सपना पाटकर के नाम पर लिया गया था. जांच में यह भी पता चला कि प्रवीण राउत संजय राउत का फ्रंट मैन था.

राउत के घर से मिला था 11 लाख कैश

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार देर रात शिवसेना नेता संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया. इस बीच देर शाम, ईडी के सूत्रों ने दावा किया कि राउत के आवास से 11.5 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी बरामद की गई थी. वहीं मुंबई पुलिस ने अलग से रविवार को पात्रा चॉल मामले में ईडी की गवाह स्वप्ना पाटकर को कथित रूप से डराने-धमकाने के लिए सांसद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की. प्राथमिकी राउत और पाटकर के बीच कथित बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग पर आधारित है. मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि वकोला पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 504, 504 और 509 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. पाटकर ने राउत पर उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है.

तो मुंबई में पैसा नहीं बचेगा...

महाराष्ट्र राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने बयान पर मांगी माफी

मुंबईः महाराष्ट्र के गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने अपने बयान पर माफी मांगी है। उन्होंने बीते दिनों अंधेरी में एक इवेंट के दौरान कहा था कि अगर गुजराती और राजस्थानी को मुंबई और ठाणे से हटा दिया जाए तो यहां पैसा नहीं बचेगा। गवर्नर कोश्यारी के इस बयान को लेकर उनकी काफी किरकिरी हुई थी। सीएम एकनाथ शिंदे ने भी कहा था कि उन्हें ऐसा बयान नहीं देना चाहिए। गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने ट्विटर पर माफीनामा पोस्ट किया। इसमें लिखा है, '29 जुलाई को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मुंबई के विकास में कुछ समुदायों के योगदान की प्रशंसा करने में संभवतया मेरी ओर से कुछ चूक हो गई।'

'विकास में सभी का योगदान'

पोस्ट में आगे लिखा है, 'महाराष्ट्र ही नहीं, समस्त भारत वर्ष में विकास का सभी का विशेष योगदान रहता है।' इसमें आगे कहा गया, 'तीन वर्षों में महाराष्ट्र की जनता का मुझे अपार प्रेम मिला लेकिन उक्त भाषण में मुझसे अनायास कुछ भूल हो गई हो तो इस भूल को महाराष्ट्र की अवमानना के रूप में लेने की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती।'

'क्षमा करके अपनी विशाल हृदयता का परिचय देंगे'

कोश्यारी ने कहा, 'अपने इस विनम्र राज्य सेवक को क्षमा कर अपनी विशाल हृदयता का परिचय देंगे।' विपक्ष ने राज्यपाल के बयान को मराठी अस्मिता पर चोट करार दिया था। वहीं सीएम शिंदे ने कहा था कि राज्यपाल को संविधान के दायरे में रहकर बोलना चाहिए।

चक्कर खाकर पांचवी मंजिल से गिरी, 30 मिनट तक झुलती रही... आखिरकार बच गई जान!

मुंबईः मुंबई में अपार्टमेंट की पांचवी फ्लोर से गिरी एक युवती सुरक्षित बच गई। युवती चौथी फ्लोर की ग्रिल पकड़कर आधे घंटे तक झूलती रही। इस दौरान उसके परिवार और पड़ोसी फ्लैट के लोग उसे पकड़े रहे। आधे घंटे बाद दमकल कर्मियों ने युवती को सुरक्षित नीचे उतारा। घटना मुंबई के नालासोपारा इलाके की है। रजिया खान नाम की युवती को चक्कर आ रहे थे। वह नालासोपारा (वेस्ट) स्थित रिलायबल अपार्टमेंट में अपने फ्लैट की बालकनी में खड़ी थी। चक्कर आने के चलते वह बालकनी से गिर गई जिसमें ग्रिल नहीं लगी थी।

युवती को बचाने के लिए आगे आए पड़ोसी

हालांकि रजिया ने किसी तरह चौथे फ्लोर की बालकनी पकड़ ली। चिल्लाने पर परिवार और आस-पास के लोग इकट्ठा हुए। दूसरी बिल्डिंग के लोग भी आकर युवती को बचाने में लग गए। चौथे फ्लोर के लोग युवती का हाथ पकड़े रहे। उन्होंने तुरंत वसई विरार म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (वीवीएमसी) फायर ब्रिगेड से संपर्क किया।

बालकनी में ग्रिल लगाने का आदेश

श्रीपृष्ठ फायर स्टेशन से चार दमकल कर्मी इमारत में पहुंचे और युवती को सुरक्षित नीचे उतारा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कि बिल्डिंग के लोगों ने युवती को रस्सी से बांधे ताकि वह गिरने न पाए। युवती ने बताया कि उसे ऊंचाई से डर लहता है। पुलिस ने बालकनी को ग्रिल करने का आदेश दिया।

मुझे फंसाया गया है! पूर्व सीपी संजय पांडे का आरोप...अदालत से जमानत की गुहार

मुंबई : नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के कर्मचारियों के कथित फोन टैपिंग मामले में गिरफ्तार मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर खुद को फंसाए जाने का आरोप लगाया है। इस मामले में कमिश्नर पांडे ने जमानत के लिए दिल्ली की एक अदालत का रुख किया। संजय पांडे ने दावा किया है कि उनके खिलाफ (ईडी) की कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध का नतीजा है। याचिका पर विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा के समक्ष दो अगस्त को सुनवाई होने की संभावना है। पूर्व पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ये सब ईमानदारी से काम

करने का नतीजा है। अपनी याचिका में संजय पांडे ने कहा है कि उन्होंने कई हाई-प्रोफाइल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की जांच की और उन पर मुकदमा चलाया और दावा किया कि वर्तमान कार्रवाई 'ईमानदारी से काम करने और एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों के निर्वहन का नतीजा है।' उन्होंने कहा है, 'मौजूदा मामला स्पष्ट रूप से राजनीतिक विचारों से प्रेरित है और यह इस तथ्य से भी स्पष्ट है कि २००९ और २०१७ के बीच हुए कथित अपराध की जांच २०२२ में की जा रही है। यानी कथित अपराध के १३ साल बाद और इसके बंद होने के पांच साल बाद और वह भी याचिकाकर्ता के रिटायर होने के एक सप्ताह के भीतर।' याचिका में पूर्व पुलिस कमिश्नर ने यह भी कहा है कि एफआईआर दर्ज करने में भारी देरी हुई, जिससे जांच की प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह पैदा होता है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

जरूरी फेरबदल

पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में होने जा रहा फेरबदल जितना स्वाभाविक है, उतने ही गहरे उसके निहितार्थ हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टीम में चार नए मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, कुछ दिग्गज नेताओं को मंत्रिमंडल से हटाकर पार्टी संगठन में भेज दिया जाएगा। यह फेरबदल वरिष्ठ मंत्री पार्थ चटर्जी के दुखद विवाद या नकदी कांड में फंसने के बाद अवश्यंभावी हो गया था। पार्थ चटर्जी को 23 जुलाई को जैसे ही गिरफ्तार किया गया, ममता सरकार के लिए मुसीबत खड़ी हो गई। पश्चिम बंगाल सरकार की नैतिकता पर बडे.प्रश्न खडे. हो गए थे। किसी मंत्री से जुडे.ठिकानों पर इतनी बड़ी राशि का बरामद होना न केवल दुखद, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है। गौर करने की बात है कि पश्चिम बंगाल में 'कट मनी' को लेकर पहले से ही शिकायत थी, लेकिन चुनाव के बाद एक तरह से इस मामले को भुला दिया गया। संकेत यही मिला कि पश्चिम बंगाल में मंत्री भ्रष्टाचार से परहेज नहीं कर रहे हैं। नेताओं की कथनी-करनी का अंतर लोगों के सामने स्पष्ट हो गया है।

पश्चिम बंगाल सरकार की छवि आम आदमी के अनुकूल रही है। यहां तक कि ममता बनर्जी को भी आम लोगों की जमीनी नेता ही माना जाता है। जब पार्टी के नाम में ही तृणमूल शब्द जुड़ा हो, तब लोगों की अपेक्षा भी बहुत बढ़ जाती है, लेकिन पार्थ चटर्जी कांड ने पार्टी के दामन पर गहरे दाग लगाए हैं। क्या आगामी फेरबदल से दाग धुल जाएंगे? गौर करने की बात है कि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में खड़ा करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्हें अपने नए मंत्रिमंडल को न केवल ईमानदार रखना होगा, जनता के बीच यह साफ संदेश भी भेजना होगा कि उनकी सरकार ईमानदार है। पहले भी राज्यों में ऐसे बड़े क्षत्रप हुए हैं, जिनमें केंद्रीय राजनीति के लिए संभावनाएं देखी गई थीं, लेकिन ऐसे क्षत्रपों का आभामंडल स्थानीय स्तर पर ही समेटने में भ्रष्टाचार की बड़ी भूमिका रही है। केंद्रीय स्तर पर स्थापित होने के लिए पहले राज्य स्तर पर सुस्थापित होना पड़ता है। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मुख्यमंत्री रहते अपनी छवि को एक विकास पुरुष के रूप में स्थापित किया था। ममता बनर्जी की छवि अपने राज्य में विकास के मोर्चे पर कैसी है? और ऊपर से उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप भारतीय राजनीति के लिए दुखद हैं। क्या तृणमूल के नेताओं को यह भ्रांति हो गई है कि जनता भ्रष्टाचार के आरोप को माफ कर देती है? गौर कीजिए, शारदा और नारदा जैसे मामलों के बावजूद तृणमूल चुनाव जीती है। यही नहीं, राज्य में इन घोटालों के कुछ आरोपी भाजपा में भी ससम्मान शामिल किए गए हैं। अतः पार्टी कार्यकताओं और नेताओं के बीच यह संदेश गया है कि भ्रष्टाचार को लोग मुद्दा नहीं मानते। ममता बनर्जी के सामने ईमानदार मंत्रिमंडल के गठन की चुनौती दरअसल भारतीय राजनीति की चुनौती है। देश को ईमानदार मंत्रियों की जरूरत है। हम अच्छे से जानते हैं कि देश में धन-वर्षा हो रही है, पर यह वर्षा देश के विकास के लिए है, किन्हीं मंत्रियों के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं। देश के अन्य मंत्रिमंडलों में भी अनेक पार्थ चटर्जी होंगे, जो यह भूल गए होंगे कि उन्हें क्यों चुनकर भेजा गया है। ऐसे मंत्रियों को चिह्नित करना होगा। मंत्रियों की ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की जरूरत है। अतः बंगाल ही नहीं, पूरे देश में ईमानदारी के अनुरूप फेरबदल समय की मांग है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

संजय राउत की आधी रात गिरफ्तारी पर आया महाराष्ट्र CM का पहला बयान... !

शिवसेना नेता संजय राउत को जमीन घोटाले मामले में गिरफ्तारी कर लिया है. वहीं उनकी गिरफ्तारी पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि भले ही शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता और सामना के संपादक संजय राउत को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया हो, लेकिन जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगा. उन्होंने आगे कहा कि भले ही संजय राउत ने बार-बार हमारी और हमारे साथ के 50 विधायकों की आलोचना की हो, लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे. इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया है कि हम उनकी आलोचना का जवाब अपने काम के जरिए देंगे.

बता दें कि पात्रा चॉल लैंड स्कैम मामले में शिवसेना नेता संजय राउत को कल देर रात यानी 31 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तारी से पहले उनसे लगभग 18 घंटे की लंबी पूछताछ की गई. संजय राउत को सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर ईडी कोर्ट में पेश किया जाएगा. वहीं राउत की गिरफ्तारी के शिवसेना के कार्यकर्ता नाराज हैं. जैसे ही उनकी गिरफ्तारी हुई, एऊदफ्तर के बाहर शिवसेना के कार्यकर्ता इकट्ठे हो गए और जमकर नारेबाजी की. एऊ ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत को गिरफ्तार है. उन्हें उनके घर से बलार्ड एस्टेट इलाके में स्थित ईडी ऑफिस लाया गया है. संजय राउत के घर से ईडी को 11.5 लाख रुपए मिले हैं. साल 2007 में गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन कंपनी को (जो HDIL की सिस्टर कंपनी है) पात्रा चाल का विकास करने का काम महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवेलपमेंट अथॉरिटी की तरफ से दिया गया था. गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन को वहां रहने वाले 672 फ्लैट बनाकर देना है और करीब 3000 फ्लैट म्हाड़ा को देना था. यह लैंड 47 एकड़ का था, जहां पर वहां रहने वाले और म्हाड़ा को घर बनाकर देने के बाद बाकी बची जमीन पर वो घर बनाकर खुद बेच सकते हैं लेकिन आरोप है कि गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन ने वहां किसी भी तरह का विकास नहीं किया और न ही म्हाड़ा को फ्लैट दिया. बल्कि उसने पूरी जमीन और FSI 8 बिल्डर को 1034 करोड़ रुपये में बेच दिया.

महाराष्ट्र-कोलकाता की लड़कियां

आलीशान फ्लैट... अंदर का नजारा देख फटी रह गई इंदौर पुलिस की आंखें

इंदौरः पुलिस ने इंदौर में एक बड़े सेक्स रैकेट का खुलासा किया है।एमपी समेत अलग-अलग राज्यों की छह लड़कियों और तीन ग्राहकों को पुलिस ने एक फ्लैट से गिरफ्तार किया है। छापे के दौरान गिरफ्तार लोग आपत्तिजनक स्थिति में मिले थे। कमरे के अंदर का नजारा देखकर इंदौर पुलिस की आंखें फटी रह गई थीं। यह कार्रवाई भंवरकुआं थाना पुलिस ने की है। गिरोह का सरगना संतोष अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर है, जिसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। सरगन संतोष अलग-अलग राज्यों से लड़कियों को फोन के जरिए इंदौर बुलाता था। पकड़ी गई लड़कियों में महाराष्ट्र, कोलकाता, भोपाल, सतना और रीवा की हैं। इन्हें इंदौर बुलाने के बाद ग्राहकों की डिमांड पर उन्हें भेजता था। इसके साथ ही कुछ ग्राहकों को फ्लैट पर भी बुलाता था। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही सरगना संतोष की गिरफ्तार के लिए भी छापेमारी चल रही है। दरअसल, डायल 100 को एक लड़की ने सूचना दी थी कि होटल सोलारिस में उसके साथ जबरदस्ती हुई है। मौके पर पहुंची भंवरकुआं पुलिस ने जब जांच की तो मामला देह व्यापार का निकला। जांच में पुलिस ने ये भी पाया कि जबरन वसूली के लिए लड़की आरोप लगा रही है। लड़की से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने नवलखा स्थित इंदिरा कॉम्प्लेक्स के एक फ्लैट में छापा मारा। वहां से 6 लड़की समेत नौ आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आई लड़कियां कोलकत्ता, महाराष्ट्र, पंजाब और भोपाल की बताई जा रही है। फिलहाल सभी आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया के मुताबिक करीब दो साल से देह व्यापार का धंधा इस फ्लैट में चल रहा था। वहीं, मुख्य आरोपी संतोष पुलिस की गिरफ्त से दूर है पकड़े जाने के बाद और भी खुलासे होने की उम्मीद है।

मनपा का एक्शन प्लानः अब अंधेरी में होगा जलजमाव का अंत!

मुंबई : बारिश के दौरान अंधेरी में होनेवाले जलजमाव की समस्या को समूल नष्ट करने के लिए मुंबई मनपा ने एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके तहत अंधेरी-वेस्ट एस. वी. नगर समेत मोगरा नाले को मनपा और चौड़ा करेगी। साथ ही अंधेरी सबवे और आस-पास के क्षेत्रों में जलजमाव रोकने के लिए आवश्यक स्थानों पर नए वर्षा जल निकासी पाइप लाइनें बिछाई जाएंगी। इन तीनों कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मनपा इन कार्यों पर करीब ९० करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। मुंबई को जलज-मावमुक्त बनाने के लिए मनपा के माध्यम से कई उपक्रम चलाए जा रहे हैं। इसमें नई वर्षा जल निकासी पाइप लाइन बिछाने, मौजूदा पाइप लाइन को चौड़ा करने, भूमिगत टंकियां बनाने और नालों को चौड़ा करने जैसे कई उपाय किए जा रहे हैं। इसके सकारात्मक परिणाम इस साल से ही दिखने शुरू हो गए हैं। अंधेरी सबवे में हर साल बरसात के मौसम में पानी भरने से एस.वी. रोड के यातायात को रोकना पड़ता है। वीरा देसाई मार्ग और अन्य इलाकों में भी जलजमाव होता है। अंधेरी सबवे में जमा होने वाले बरसाती पानी को देखते हुए महानगर पालिका अंधेरी-पूर्व से एस.वी. रोड, वीरा देसाई के रास्ते समुद्र की ओर जाने वाले मोगरा नाले को चौड़ा किया जाएगा, जबकि वीरा देसाई मार्ग और जे.पी. रोड पर अतिरिक्त वर्षा जल निकासी पाइप लाइनें बिछाई जाएंगी।

संजय राउत के खिलाफ महिला गवाह को धमकी देने के आरोप में FIR दर्ज

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। जमीन घोटाले के मामले में गिरफ्तारी के बीच उनके खिलाफ ऋक्षफ दर्ज की गई है। खबर है कि उनके खिलाफ यह शिकायत महिला गवाह को धमकाने के आरोप में दर्ज की गई है। ईडी ने रविवार को राउत आवास पर छापेमारी की थी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। कथित तौर पर स्वप्ना पाटकर को धमकाने के लिए राउत के खिलाफ धारा 504, 506 और 509 के तहत वाकोला पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई है। पाटकर पात्रा चॉल जमीन घोटाला मामले में गवाह हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार रात को बताया कि गवाह स्वप्ना पाटकर ने वकोला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि पाटकर ने हाल में पुलिस का रुख करते हुए दावा किया था कि उसे टाइप किए गए एक पत्र में दुष्कर्म और हत्या की धमकी दी गई थी। यह पत्र 15 जुलाई को उसे दिए एक अखबार में रखा हुआ था। अधिकारी के मुताबिक, पाटकर ने रविवार को पुलिस के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया, जिसके बाद उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई गई है। अधिकारियों ने बताया कि राउत (60) को दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट में ईडी के मंडल कार्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक चली पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

चीन को लीक की थी भारत की जानकारी

मॉरीशस टेलीकॉम के पूर्व सीईओ का इस्तीफा...!

मॉरीशस टेलीकॉम के पूर्व सीईओ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनके चीन के साथ संबंधों की खबर आ रही है। कहा जा रहा है कि चीनी टेक कंपनी हुआवेई और मॉरीशस टेलीकॉम के पूर्व सीईओ शेरी सिंह के बीच घनिष्ठ संबंध रहा है। यह एक ऐसा खुलासा है जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहुत बड़ा प्रभाव डाल सकता है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि हुआवेई ने मॉरीशस में बड़ा विस्तार किया हुआ है जोकि भारत का करीबी देश है।

गौरतलब है कि शेरी सिंह ने सात साल से अधिक समय तक कंपनी का नेतृत्व करने के बाद पिछले महीने मॉरीशस की राष्ट्रीय दूरसंचार कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफे के साथ ही उनके और हुआवेई के बीच रिश्ते की खबरें सामने आने लगीं। उन पर भारत की जासूसी करने का आरोप लगा है।

भारत को लेकर लीक की थी जानकारी

इस्तीफा देने के बाद शेरी सिंह ने दो अलग-अलग इंटरव्यू में भारत को लेकर कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए थे। उन्होंने कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के अनुरोध पर भारत की टीम ने उनके देश का दौरा किया। इस दौरान इस टीम ने पूरे देश का सर्वे किया था। कहा जा रहा है कि शेरी सिंह ने ये जानकारी जानबूझकर लीक की थी ताकि चीन को इसके बारे में पता चल सके।

मॉरीशस टेलीकॉम के कर्मचारियों को लिखे एक लेटर में सिंह ने कहा कि वह मूल्यों से समझौता करके सीईओ के रूप में काम करने में असमर्थ हैं। शेरी सिंह ने कहा कि पीएम जगन्नाथ ने उन्हें भारतीय टीम को 'स्नीफिंग डिवाइस' (जासूसी डिवाइस) स्थापित करने के उद्देश्य से एक फैसिलिटी तक पहुंचने की अनुमति देने के लिए मजबूर किया था।

क्या बोले थे शेरी सिंह

शेरी सिंह ने ले देफी मीडिया समूह और ला सेंटिनल को दो इंटरव्यू दिए थे। इनका सीधा प्रसारण किया गया। शेरी सिंह ने आरोप लगाया कि पीएम जुगनाथ ने उन्हें मजबूर किया, कि एक भारतीय टीम को बेइ-दु-जेकोटे में स्थित एक सेफ केबल लैंडिंग स्टेशन तक पहुंचने की अनुमति दे दें। यह द्वीप राष्ट्र का एक प्रतिबंधित क्षेत्र है। अब इस बात को लेकर मचा हुआ है कि प्रधानमंत्री ने जिस भारतीय टीम को वहां तक पहुंचने की अनुमति दी, वह कथित तौर पर वहां 'जासूसी' उपकरण लगाने गई थी ताकि मॉरीशस के इंटरनेट ट्रैफिक पर नजर रखी जा सके।

उद्धव ठाकरे गर्मजोशी के साथ पार्टी सांसद संजय राउत के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी

मुंबई । महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने सोमवार को यहां गर्मजोशी के साथ पार्टी सांसद संजय राउत के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। ठाकरे ने लोकसभा सांसद अरविंद सावंत और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ भांडुप में 'मैत्री' बंगले में राउत की बूढ़ी मां, पत्नी वर्षा, बेटी और परिवार के अन्य सदस्यों से उनके घर पर मुलाकात की। राउत की मां भावुक हो गईं और ठाकरे से लिपट गईं, उन्होंने अपने बेटे के लिए मौन चिंता व्यक्त की, जिन्हें सोमवार की सुबह ईडी ने पात्रा चॉल, गोरेगांव, भूमि घोटाले से उत्पन्न एक कथित धन-शोधन मामले में गिरफ्तार किया है। ठाकरे ने राउत की मां, पत्नी और उनकी बेटी के साथ बात की, जिन्हें रविवार शाम को ईडी और पुलिस टीमों द्वारा हिरासत में लिया गया था, जिससे एक बार फिर से महाराष्ट्र की राजनीति गर्मा गई। इसके बाद रविवार की सुबह से अचानक हुए

घटनाक्रम के बाद ठाकरे ने उनके घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना देने का प्रयास किया। रविवार की सुबह, ईडी की एक टीम ने राउत के घर पर छापा मारा और सांसद से नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। फिर उन्हें हिरासत में लिया गया और ईडी कार्यालय ले जाया गया, जहां उनसे सात घंटे तक पूछताछ की गई और आखिरकार सोमवार सुबह उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी की शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं ने कड़ी निंदा की है। हालांकि, शिवसेना से अलग हुए गुट के नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गिरफ्तारी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि 'रोजाना का सुबह का लाउडस्पीकर शांत हो गया है'।

बायकॉट 'लाल सिंह चड्ढा' पर करीना भी हुईं मुखर...

बोलीं- अगर फिल्म अच्छी हुई तो...

आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। लेकिन रिलीज से पहले फिल्म का जमकर विरोध हो रहा है। जब से इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है तब से ही समय समय पर ट्विटर पर हैशटैग बायकॉट लाल सिंह चड्ढा ट्रेंड करता दिख रहा है। हाल ही में, आमिर खान ने फिल्म के खिलाफ हो रहे विरोध पर दुख जताया। वहीं, अब करीना कपूर ने बॉलीवुड में 'कैंसल कल्चर' पर अपने विचार साझा किए। करीना ने कहा कि आजकल हर कोई अपनी राय रख सकता है, लेकिन उनका मानना है कि एक अच्छी फिल्म किसी भी चीज को मात दे सकती है।

दरअसल, करीना कपूर ने 'कैंसिल कल्चर' पर अपनी राय रखी है और लोगों से अनुरोध किया है कि उनकी फिल्म का विरोध न करें। करीना ने कहा कि कृपया, मेरी फिल्म का बहिष्कार न करें। कृपया मेरी फिल्म देखें'। करीना कपूर ने माना कि आज के समय में हर किसी की अपनी अगल राय है। अभिनेत्री ने कहा कि आज सबकी आवाज है। अलग-अलग प्लेटफॉर्म हैं। सबकी अपनी राय है। तो अब, अगर ऐसा होने जा रहा है, तो आपको कुछ बातों को नजरअंदाज करना सीखना होगा। वरना अपना जीना मुश्किल हो जाएगा। और इसलिए मैं इस तरह की किसी भी बात को गंभीरता से नहीं लेती।' करीना कपूर ने ये भी कहा कि मैं जो कुछ भी पोस्ट करना चाहती हूं उसे पोस्ट करती हूं। अगर यह एक अच्छी फिल्म हुई, तो मुझे विश्वास है कि यह किसी भी चीज से आगे निकल जाएगी, काफी हद तक, प्रतिक्रिया अच्छी होगी। मुझे लगता है कि अच्छी फिल्में किसी भी चीज से आगे निकल जाएंगी। आमिर खान भी सोशल मीडिया पर चल रहे 'बायकॉट लाल सिंह चड्ढा' ट्रेंड पर अपने विचार व्यक्त कर चुके हैं। अभिनेता ने कहा, 'जब लोग बॉलीवुड और लाल सिंह चड्ढा का बहिष्कार करने की बात करते हैं तो मुझे बहुत दुख होता है। खासकर तब जब लोग मेरी फिल्मों को इस वजह से बायकॉट करने की डिमांड करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि मैं उन लोगों की लिस्ट में शामिल हूं जो भारत को पसंद नहीं करते हैं। लेकिन यह सच नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ऐसा लगता है। ऐसा नहीं है।

सलमान खान को मुंबई पुलिस ने दिया हथियार रखने का लाइसेंस...!

मुंबई : फिल्म अभिनेता सलमान खान को हाल ही में जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद सलमान खान ने अपनी सुरक्षा के लिए आर्म्स लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। सलमान खान के हथियार के लिए लाइसेंस के लिए किए गए आवेदन को मुंबई पुलिस ने स्वीकार कर लिया है। मुंबई पुलिस की ओर से इस बाबत जानकारी दी गई है कि सलमान खान को अपनी सुरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस दे दिया गया है, जिसके लिए उन्होंने हाल ही में आवेदन किया था।

बता दें कि सलमान खान ने हथियार के लाइसेंस के लिए मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फांसलकर के पास 22 जुलाई को आवेदन किया था। जिसके बाद उन्हें लाइसेंस दे दिया गया है। सलमान खान के प्रतिनिधि ने पुलिस विभाग से लाइसेंस को ले लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने सभी जरूरी प्रक्रिया को पूरा करने के बाद सलमान खान को लाइसेंस

दिया है। नियम के अनुसार हथियार का लाइसेंस हासिल करने के लिए आवेदन की फाइल को पहले डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस जोन-9 को भेजा गया, एक्टर के क्रिमिनल रिकॉर्ड की जांच की गई, जिसके बाद उन्हें लाइसेंस दिया गया है।

बता दें कि 6 जून को सलमान खान की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया था, उनके घर के बाहर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। दरअसल सलमान खान के पिता सलीम खान को एक धमकीभरा पत्र मिल था। जिसमे लिखा गया था कि मूसेवाला जैसा कर दूंगा। पुलिस को संदेह है कि इस धमकी के पीछे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ है जिसने पंजाबी गायक मूसेवाला की हत्या की है।

वर्ष 2018 में बिश्नोई ने सलमान खान को धमकी दी थी। काला हिरण के शिकार केस को लेकर कोर्ट में सुनवाई चल रही थी, उसी समय बिश्नोई समुदाय से आने वाले लॉरेंस ने सलमान खान को धमकी दी थी। दरअसल बिश्नोई समाज में काले हिरण को पवित्र माना जाता है। पुलिस को संदेह है कि इस धमकी भरे पत्र के पीछे बिश्नोई ही है। बता दें कि आर्म्स साइलेंस 2016 के अनुसार अगर किसी व्यक्ति की जान को खतरा है तो वह हथियार के लिए आवेदन कर सकता है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 02 अगस्त 2022

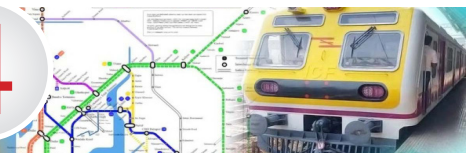

मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में जुलाई में संपत्तियों का पंजीकरण 15 प्रतिशत बढ़ा... !

मुंबई : मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में मांग बढ़ने से संपत्तियों का पंजीकरण जुलाई के महीने में 15 प्रतिशत बढ़कर 11,339 इकाई हो गया। संपत्ति सलाहकार फर्म नाइट फ्रैंक इंडिया ने सोमवार को एक बयान में कहा कि पिछले एक दशक में जुलाई के दौरान संपत्तियों के पंजीकरण का यह सर्वाधिक आंकड़ा है। जुलाई महीने का यह आंकड़ा 30 जुलाई को अपराह्न तीन बजे तक का है। मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में

हुए कुल पंजीकरण में से 86 प्रतिशत आवासीय इकाइयों के थे जबकि 10 प्रतिशत पंजीकरण वाणिज्यिक संपत्तियों का हुआ। इन संपत्तियों के पंजीकरण से सरकार को शुल्क के रूप में 829 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है।

नाइट फ्रैंक ने कहा, ''मुद्रास्फीति के बढ़ते दबाव के बीच रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कुल 0.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है जिससे घर खरीदारों के लिए किफायती आवास की सीमा बढ़ गई है। इसके बावजूद जुलाई में मांग बनी रहने से संपत्तियों का पंजीकरण अधिक रहा।'' एक साल पहले जुलाई, 2021 में मुंबई महानगर में 9,822 इकाइयों का पंजीकरण हुआ था। वहीं इस साल जून में 9,919 संपत्तियां पंजीकृत हुई थीं।

महाराष्ट्र कांग्रेस ने नड्डा की परिवार संचालित दलों पर टिप्पणी को लेकर आड़े हाथ लिया

मुंबई : महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता सचिन सावंत ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा को शिवसेना पर उनकी कथित टिप्पणी के लिए आड़े हाथ लिया और कहा कि ''क्षेत्रीय दलों के अंत की उम्मीद करने वाली मानसिकता'' लोकतंत्र और विविधता के खिलाफ है। नड्डा ने रविवार को एक जनसभा में कथित तौर पर दावा किया था कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को उठाकर शुरू हुई पारिवारिक पार्टियां खत्म हो जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा था कि शिवसेना एक परिवार द्वारा संचालित पार्टी है और इसका अंत निकट है।

महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव सावंत ने इस मुद्दे पर ट्वीट किया,

''संसदीय बहुदलीय लोकतंत्र देश की भौगोलिक, सांस्कृतिक, क्षेत्रीय, सामाजिक और भाषाई विविधता का प्रतिनिधित्व करता है। जो मानसिकता क्षेत्रीय दलों के अंत की उम्मीद करती है वह लोकतंत्र विरोधी है और साथ ही वह विविधता को खारिज करती है।'' उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि संगठन ने हमेशा राज्यों के संघ के रूप में देश के ढांचे का विरोध किया है।

उन्होंने कहा, ''आरएसएस ने हमेशा एक पार्टी, एक झंडा और एक विचारधारा होने को लेकर एक रुख अपनाया है। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का विरोध करते हुए, आरएसएस ने हमेशा निरंकुशता का पोषण किया है। भाजपा का एकमात्र एजेंडा वह हासिल करना है जो आरएसएस एक निरंकुश सरकार के माध्यम से चाहता है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''देश में एक पार्टी होने से, जैसा कि नड्डा ने कहा है, इसका मतलब है कि इस देश के नागरिक केवल प्रजा बनकर रह जाएंगे। लोगों को इस आसन्न खतरे को पहचानना चाहिए।''

महाराष्ट्र में कोरोना के 1849 नये मामले, तीन और मरीजों की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण 1849 नये मामले सामने आये हैं तथा इस दौरान तीन लोगों की इस बीमारी से मौत हो गयी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सोमवार को जारी बुलेटिन के मुताबिक नये मामलों के साथ ही राज्य में कोविड-19 से संक्रमितों की कुल संख्या 80,47,455 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 1,48,104 लोगों की अब तक इससे मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटों में 1853 मरीज कोविड ठीक हुए और इसके साथ ही राज्य में इस बीमारी से स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 78,86,348 हो गयी है। वर्तमान में रिकवरी दर 98 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.84 प्रतिशत है।

महाराष्ट्र में रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना :

केक कटते ही कैंडल में हुआ धमाका, बच्चे के गाल और जीभ कट गई

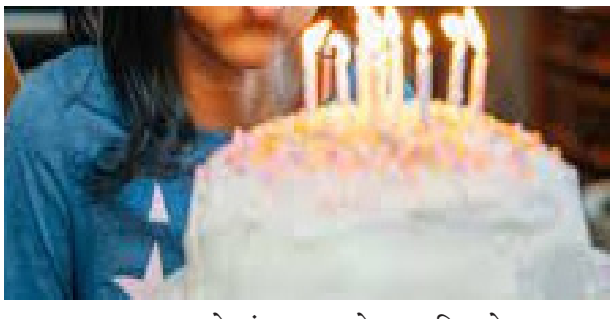

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां बच्चे की पार्टी में स्पार्कल कैंडल लाइट से ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में बच्चे को गंभीर रूप से चोटें आई हैं। बच्चे का गाल और जीभ फट गई है। हादसे को बाद बच्चे को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे टांके लगाए। बताया जा रहा है कि बच्चा अभी खतरे से बाहर है। दरअसल, मामला चंद्रपुर जिले के चिमूर तहसील के भिसि गांव का है।

इसी गांव के आरंभ डोगरे अपने माता-पिता के साथ एक परिचित के यहां गए थे। वहां जन्मदिन की पार्टी थी। केक कटने के बाद परिजन खाना खा रहे थे और बच्चे खेल रहे थे। आरंभ भी अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। इस दौरान वो स्पार्कल कैंडल को उठाकर खेलने लगा। इस दौरान जोरदार धमाका हो गया। धमाके में आरंभ डोगरे गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान उसके पैरेंट्स भी खाना खा रहे थे।

50 किलोमीटर दूर अस्पताल

घटना के बाद पार्टी में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की गई। लेकिन गांव में अस्पताल नहीं होने के कारण बच्चे को 50 किलोमीटर दूर अस्पताल लेकर जाना पड़ा जहां उसका इलाज किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, अगर अस्पताल लाने में बच्चे को देरी होती तो उसकी तबियत और बिगड़ सकती थी।

4 घंटे बाद हुआ ब्लास्ट

जानकारी के अनुसार, जन्मदिन पार्टी का आयोजन शाम को 6 बजे किया गया था और हादसा रात 10 बजे किया। स्पार्कल कैंडल में बुझने के बाद धमाका हुआ। हालांकि धमाका कैसे और क्यों हुआ इस बात की जानकारी नहीं मिल सकी। इलाज करने वाले डॉक्टर ने बताया कि बच्चा गंभीर रूप से घायल था। उसको गंभीर रूप से चोटें आई हैं। फिलहाल उसका इलाज कर दिया गया है। उसे ठीक होने में थोड़ा वक्त लगेगा।

आदित्य ठाकरे ने कहा, शिंदे सरकार का ध्यान 'गंदी राजनीति' पर है

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और युवा सेना के प्रमुख आदित्य ठाकरे ने सोमवार को कहा कि राज्य में विश्वासघात को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाता, इसलिए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार निश्चित रूप से गिर जाएगी. कोंकण क्षेत्र की चार दिवसीय यात्रा के दौरान शिवसेना के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिंदे सरकार का ध्यान ''गंदी राजनीति'' पर है, जनता के कल्याण पर नहीं.

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ने शिंदे सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, ''एक-डेढ़ महीने तक यह पूरा राजनीतिक नाटक चलेगा. सरकार निश्चित रूप से गिर जाएगी. महाराष्ट्र विश्वासघात को बर्दाश्त नहीं करता.''

उन्होंने कहा कि राज्य में मूसलाधार बारिश हुई और बाढ़ आई, लेकिन सरकार को कोई चिंता नहीं हुई. गौरतलब है कि शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के 40 विधायकों ने पिछले महीने शिवसेना से बगावत कर दी थी, जिसके चलते उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई थी.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani